संगठन तथा सेवाएं - भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

तत्कालीन रा-ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण (रा-ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण) तथा भारतीय अन्तररा-ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण (अनतररा-ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण) का विलय के 1 अप्रैल 1995 को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण का गठन किया गया था । रा-ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण तथा अन्तररा-ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण का एकीकरण केवल कार्य की दृ-टि से ही दो संगठनात्मक का विलय नहीं था, अपितु इसका लक्ष्य दोनों संगठनों के सहयोग से एक ऐसे नए संगठन का निर्माण करना था जो भवि-य में आने वाली नई चुनौतियों का सामना कर सके तथा निजी सेक्टर के साथ सफलतापूर्वक प्रतिस्पर्धा कर सके । नए संगठन के निर्माण के लिए काफी गहन चिंतन-मनन किया गया था । विश्व भर में नागर विमानन क्षेत्र में भारी बदलाव आया है तथा नया संगठन रा-ट्रीय एवं अन्तररा-ट्रीय दोनों स्तरों पर, भवि-य में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है । दसवीं पंचव-र्वीय योजना तैयार हो चुकी है तथा विभिन्न् आर्थिक क्षेत्र, जो कि नागर विमानन के विकास में अपना योगदान दे रहे है , के लिए निर्धारित विकास संबंधी लक्ष्य उत्साहवर्धक है । इन परिस्थितियों में चारों और विभिन्न् प्रकार के अवसर सुलभ है तथा विमान यात्रियों की अपेक्षाओं को पूरा करने के प्रयोजन से इन अवसरों का लाभ उठाने की जरूरत है ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के निगमित उद्देश्य में ग्राहक संतु-टि पर पूरा बल दिया गया है तथा संस्था द्वारा व्यापक आधार पर किये जाने वाले विविध कार्यो में वायु क्षेत्र प्रबंधन, टर्मिनल प्रबंधन, बचाव, सुरक्षा एवं मानव संसाधन विकास के कार्य भी शामिल है ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण इस समय 126 हवाई अड्डों का प्रबन्ध कार्य देख रहा है, जिसमें 11 अन्तररा-ट्रीय हवाई अड्डे, 89 घरेलू हवाई अड्डे तथा रक्षा हवाई क्षेत्रों में स्थित 26 सिविल एन्कलेव शामिल है । भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण 2.8 मिलियन वैमानिक वर्ग मील से भी अधिक हवाई क्षेत्र में विमान दिक्चालन सेवाएं प्रदान करता है । व-र्ा 2001-2002 के दोरान भरतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा विभिन्न् हवाई अड्डों पर लगभग 5 लाख विमान संचालनों (4 लाख अंतर्देशीय तथा 1 लाख अन्तररा-ट्रीय),40 मिलियन यात्रियों (26 मिलियन अंतर्देशीय तथा 14 मिलियन अंतररा-ट्रीय) एवं 9 लाख टन कार्गो (3 लाख टन अंतर्देशीय तथ 6 लाख टन अंतररा-ट्रीय) को संभाला गया ।

1. यात्री सुविधाएं

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण यात्री सुविधाओं में सुधार रहने की दकशा में निरंतर प्रयासरत् है । विश्व व्यापीकरण की लहर के चलते भारत के विमान यात्रियों के मन में भी इस बात के प्रति बहुत अधिक जागृति आ गई है कि किसी भी आधुनिक हवाई अड्डे पर किस प्रकार की सुविधाओ की अपेक्षा की जाती है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण नई चुनौतियों का सामना करने के लिए निरन्तर प्रयासरत रहा है । प्रतियात्री संतु-िट के संबंध में किये जाने वाले सर्वेक्षणों से हां एक और विमान यात्रियों की अपेक्षाओं के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रापत होती है , वही दूसरी और व्यवस्थ में विद्यमान कमियों की जानकारी भी मिलती है । भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण का सदैव यह प्रयास रहा है कि कमियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए ।

2. एरोड्रोम सुविधाएं

विमान प्रचालकों, एयरलाइनों तथा यात्रियों के लिए एरोड्रोम सुविधएं सुलभ कराने के प्रयोजन से योजना तैयार करते समय हमारी मूलभूत विचारधारा यह रही है कि माँग शुरू होने से पहले की क्षमताओं का सृजन करना प्रारम्भ कर दिया जाए । इस विचारधारा के क्रियान्वयन की दिशा में किये जाने वाले हमारे प्रयासों के तहत् विमानपथ, टैक्सीट्रैक, एप्रैन और टर्मिनल भवनों के विस्तार एवं सुदृढीकरण के लिए अनेक परियोजनाओं को एप्रैन और टर्मिनल भवनों के विस्तार एवं सुदृढीकरण के लिए अनेक परियोजनाओं को प्रारम्भ किया गया है । पिछले व-र्ा के दौरान जिन महत्वपूर्ण कार्यो को प्रारम्भ किया गया है ,उनमें से कुछ का विवरण इस प्रकार है । अगरतला , लीलाबाड़ी अहमदाबाद, गया में नए टर्मिनल भवनों का निर्माण कार्य, मुंबई और कोलकाता में अतिरिक्त विमान सेतुओं की व्यवस्था, ज्म्मू, लखनऊ, हैदराबाद आदि में विमानपथ का विस्तार मुंबई में सुरक्षा जाँच क्षेत्र का विस्तार, कोलकाता में वातानुकूलित विमानसेतुओं का निर्माण, आई जी आई एयरपोर्ट, दिल्ली में कैंट- III ए रनवे लाईटिंग तथा मल्टीपल एजेन्सी - सी सी टी वी की व्यवस्था।

3. बचाव

विमान दिक्चालन सेवाओं के प्रति विश्वस्तरीय सोच को घ्यान में रखते हुए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने उपग्रह आधारित संचार व्यवस्था, दिक्वालन, निगरानी तथा विमान यातायात प्रबंधन के क्षेत्र में अपनी प्रगतिशील योजनाओं के साथ आगे बढ़ना शुरू कर दिया है । नई प्रणालियों के मामले में विकास की अग्रिम पंक्ति में आने वाले अन्य देशों के अन्तररा-ट्रीय अनुभव से लाभ उठाने की दृ-िट से यू एस फैडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन, यू एन ट्रेड एण्ड डेवलपमेन्ट एजेन्सी था यूरोपियन यूनियन के साथ अनेकों सहयोग संबंधी करारों तथा सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किये गए है थ सहयोग आधारित परियोजनाएं शुरू कर दी गई है इन गतिविधियों के माघ्यम से भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अधिकधिक अधिकारियों को हवाई-अड्डों के समस्त कार्यो को उन्नत बनाने के लिए अपनायी जा रही विकासाधीन आधुनिक तकनीकों, पद्धतियों एवं प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त हो रही है ।

पुराने उपकरणों को बदलकर नए उपकरण लगाने तथा हवाई अड्डों पर एवं आकाश में सुरक्षा के स्तरों को और अधिक उन्नत बनाए जाने की दृ-िट से नवीनतम सुविधाओं के रूप में अत्याधुनिक उपकरणों को लगाया जाना एक सतत् प्रक्रिया है । पुराने क्रैश फायर टेंडरों, यांत्रिक अवतरण प्रणाली संबंधी उपकरणों को आधुनिकतम उपकरणों से बदला जाना तथा नई सुविधा के रूप में मोनो-पल्स सैकेन्ड्री सर्वेलैन्स रडार इत्यादि लगाया जाना कुछ ऐसे मुख्य कार्य है , जिन्हें कि इस व-र्ा किया गया ।

4. सुरक्षा

निरंतर मिलने वाली धमकियों के परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण प्रति-ठापनाओं की सुरक्षा को और अधिक मजबूत किये जाने की तत्काल आवश्यकता महसूस की गई । अतः एवं दुस्साहसपूर्ण कार्रवाईयों को नि-फल करने तथ कुल मिलाकर विमान द्वारा यात्रा करने वालों के मन में विमान यात्राओं के सुरक्षित होने के संबंध में आत्मविश्वास पुनः जागृत करने के उद्देश्य से हवाई अड्डों पर सुरक्ष को तत्काल चाक-चौबन्द किये जाने की आवश्यकता महसूस की गई । इस बात को घ्यान में रखते हुए अनेकों कदम उठाए गए,जिनमें कि एयरपोर्ट सुरक्षा संबंधी डयूटी पर सी आई एस एफ की तैनाती किया जाना तथा सी सी टी वी निगरानी प्रणाली जैसे सुरक्षा उपकरणों को लगाया जाना शामिल है । सुरक्षा कर्मचारियों द्वारा किये जाने वाले प्रयासों में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से एयरपोर्ट के समस्त क्षेत्र की निगरानी प्रणाली, हवाई अड्डों के महत्वपूर्ण स्थानों में आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए स्मार्ट कार्ड प्रणाली जैसी हवाई-टैक सुरक्षा प्रणालियों को एयरपोर्ट सुरक्षा प्रणाली का एक अभिन्न अंग बनाया जाएगा ।

5. मानव संसाधन विकास-प्रशिक्षण

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा निरन्तर प्रशिक्षण के माध्यम से कार्य दक्षता को बढ़ाने पर अत्यधिक बल दिया जाता है । विकास और तकनीकी प्रगति तथा उसके फलस्वरूप प्रचालन के स्तरों एवं कार्य पद्धतियों में परिपूर्ण बचाव एवं सुरक्षा के नए स्तरों को प्राप्त करने तथा प्रबंधन तकनीकों में सुधार के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों के ज्ञान एवं कार्यदक्षता को बढ़ाने के लिए निरन्तर ही प्रशिक्षण,कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता होती है । अपने इंजीनियरों, विमान यातायात नियंत्रकों,प्रबंधन से जुड़े कार्मिकों एवं बचाव तथा अग्निशमन, कम्रचारियों के विभागीय प्रशिक्षण के लिए भारतीय विमापत्तन प्राधिकण में अनेक प्रशिक्षण केन्द्र विद्यमान है जैसे की दिल्ली में नियामार, इलाहाबाद में नागर विमानन प्रशिक्षण कालेज, दिल्ली और कोलकाता में अग्निशमन प्रशिक्षण केन्द्र ।

6. सूचना प्रौद्यौगिकी का क्रियान्वयन

ई गवर्नेन्स की दिशा में लक्ष्य प्राप्ति तथा भारत सरकार के दिशा निर्देशों के अनुपालन हेतु विविध योजनाओं को क्रियान्वित करने की दृ-िट से भारतीय विमापत्तन प्राधिकरण द्वारा एक पूर्ण आकार वाली सूचना प्रौद्यौगिकी डिवीजन की स्थापना की गई है । भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू एयरपोर्टस इंडिया आर्ग इन अथवा डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू ए ए आई एरों नाम से एक वेबसाइट भी शुरू की है । यह वेबसाइट संस्था के विभिन्न् क्रियाकलापों तथा विभिन्न पक्षों के संबंध में अद्यतन सूचनाएं प्रदान करती है, जिनमें कि अंतर्देशीय एवं अन्तररा-ट्रीय उड़ानों की समय संबंधी सूचनाएं, यात्रियों से संबंधित सूचना, यातायात संबंधी आंकड़े, निविदा सूचनाओं आदि जैसी सार्वजनिक हित की सूचनाएं शामिल है ।